

प्रेषक,

अर्जुन सिंह
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

अपर प्रमुख वन संरक्षक
नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन
उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 17 फरवरी 2011

विषय:- अनुदान सं०-27 के आयोजनागत पक्ष की राज्य सेक्टर एवं राज्य सेक्टर की पूंजीगत पक्ष के अन्तर्गत वर्ष 2010-11 की वित्तीय स्वीकृति.
महोदय,


उपरोक्त विषयक प्रमुख वन संरक्षक (वन्य जीव)/मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक के पत्रांक-1206/शिविर/15-1-1 दिनांक 10 दिसम्बर, 2010, पत्रांक-1290/6-3-2(1) दिनांक 23 दिसम्बर, 2010 का सम्यक विचारोपरान्त कार्बेट टाइगर रिजर्व के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्लेटिनम जुबली के आवश्यक कार्यों के दृष्टिगत मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग के अनुदान सं०-27 के आयोजनागत पक्ष की राज्य सेक्टर एवं राज्य सेक्टर की पूंजीगत पक्ष के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में पूर्व में निर्गत वित्तीय स्वीकृतियों के अतिरिक्त संलग्न सूची में उल्लिखित विवरणानुसार योजनाओं के सम्मुख अंकित प्रस्तावित कार्यों हेतु संलग्नक बी०एम०-15 पर उल्लिखित पुनर्विनियोग सहित ₹ 1,40,00,000/- (₹ एक करोड़ चालीस लाख मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1) उक्त धनराशि वर्णित योजना हेतु समक्ष स्तर से अनुमोदित कार्ययोजनान्तर्गत स्वीकृत कार्यों/मदों पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग अन्य कार्यों के क्रियान्वयन के लिए न किया जाय.
- (2) उक्त स्वीकृति व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं०-187/XXVII(1)/2010, दिनांक 30 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथास्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय. शासन द्वारा वांछित सूचनायें एवं विवरण निर्धारण प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1(वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम-संग्रह खण्ड-5 भाग-1(लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय.
- (3) यह संज्ञान में आया है कि धनराशि विभागाध्यक्षों के निवर्तन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्षों द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निवर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है. अतः आपके निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय, जिससे की फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो, परन्तु यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि धनराशि का आहरण वास्तविक मांग आधार पर किश्तों में किया जाय.
- (4) आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी०एम०-17 पर प्रत्येक माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा.
- (5) अनुदान के अन्तर्गत होने वाली सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-प्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो.
- (6) बी०एम०-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 20 तारिख तक पूर्ण माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय.
- (7) व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है. अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय.
- (8) मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं०-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी.

क्रमशः.....2

- (9) योजनाओं की विभिन्न मर्दों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय।
- (10) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- (11) अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्रावधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- (12) निर्माण कार्यों के लागत व समय वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए कड़ी कार्यवाही व संचन अनुश्रवण किया जायेगा एवं इस हेतु बजट मैनुअल के प्रस्तर-211(डी) की अनुपालन सुनिश्चित की जायेगी।
- (13) योजना में अग्रोत्तर वित्तीय स्वीकृति/धनराशि अवमुक्त तभी की जायेगी जब सम्पूर्ण परियोजना/कार्ययोजना मय योजना अवधि, कुल लागत, वर्षवार भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य, outcome/impact के लक्ष्य/अनुमान, चयनित कार्यों का विवरण आधार पर तैयार की गई रिपोर्ट/प्रस्ताव पर सक्षम स्तर से अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया हो।
- (14) ऐसे सभी निर्माण कार्य जो रु० 5.00 लाख से अधिक हैं, का आगणन/प्राक्कलन तैयार कर शासन को उपलब्ध करायी जाय तथा ऐसे आगणन/प्राक्कलन के सापेक्ष शासन के टी०ए०सी० वित्त विभाग से परिक्षणोपरान्त अनुमोदित वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में प्रशासकीय विभाग द्वारा अनुमोदन दिये जाने के उपरान्त ही इस प्रकार के कार्यों हेतु वित्तीय स्वीकृति अधीनस्थ कार्यालयों को निर्गत की जायेगी।
2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक अनुदान सं०-27 के राज्य सेक्टर योजना एवं राज्य सेक्टर योजना के पूंजीगत पक्ष के अन्तर्गत संलग्न तालिका में अंकित विवरणानुसार उल्लिखित मर्दों के नामे डाला जायेगा।
3. ये आदेश वित्त विभाग के अ०शा०सं०-375(P)/XXVII(4)/2010, दिनांक 07 फरवरी, 2011 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

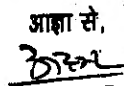
संलग्नक-यथोपरि.

भवदीय,

(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव

संख्या-618 (1)/X-2-2011, तद्दिनांकित.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार(लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
2. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून.
3. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. प्रमुख वन संरक्षक (वन्य जीव)/मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक, उत्तराखण्ड शिविर कार्यालय-देहरादून.
5. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन तथा लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
6. मुख्य वन संरक्षक, सतर्कता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
7. प्रमुख सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
8. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
9. आयुक्त, कुमाऊं/गढ़वाल मण्डल.
10. सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
11. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून.
12. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ/सम्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
13. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
14. भ्रमारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
15. गार्ड फाइल.

आज्ञा से,

(अहमद अली)
अनु सचिव

(धनराशि ₹ हजार में)

क्र. सं.	लेखा शीर्षक/योजना का नाम/मानक मद	बजट प्रावधान	पूर्व में निर्गत वित्तीय स्वीकृति	वर्तमान वित्तीय स्वीकृति	प्रस्तावित कार्य
	1	2	3	4	5
1	2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 01-वानिकी 800-अन्य व्यय 17-00-ईको टूरिज्म 26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	2500	1250	1000	कार्बेट टाइगर रिजर्व के अन्तर्गत कोटद्वार रिसेप्शन सेन्टर हेतु कम्प्यूटर, क्रियोस्क, एल0सी0डी0 डिसप्ले एवं फर्नीसिंग
	योग	2500	1250	1000	
2	4406-वानिकी और वन्य जीवन पर पूंजीगत 01-वानिकी 101-वन संरक्षण और विकास 03-00-वन मोटर मार्गों का सुदृढीकरण 24-वृहत निर्माण कार्य	25000	12500	4000	कार्बेट टाइगर रिजर्व के अन्तर्गत बतनवासा से हल्दूपड़ाव, कालीकों से काण्डा, सोडाखाल से काल्हूचौड़ा तथा सेन्धीखाल से सालखेत आदि वन मोटर मार्गों का सुदृढीकरण
	योग	35000	17500	4000	
3	04-00-वन विभाग के आवासीय/अनावासीय भवनों का निर्माण 24-वृहत निर्माण कार्य	30000	15000	2500	1. कार्बेट टाइगर रिजर्व के अन्तर्गत कोटद्वार में प्रभागीय वनाधिकारी, लैन्सडाऊन वन प्रभाग के वन परिसर में आधुनिक एवं कम्प्यूटरीकृत रिसेप्शन सेन्टर का निर्माण हेतु ₹ 5.00 लाख 2. कार्बेट टाइगर रिजर्व के अन्तर्गत धनगढ़ी, आमडण्डा, कालागढ़ एवं रामनगर में स्वागति व चार भव्य जुबली गेट का निर्माण हेतु ₹ 20.00 लाख
4	29-अनुरक्षण (24-वृहत निर्माण कार्य से ₹30.00 लाख का पुनर्विनियोग के द्वारा)	1	1	3000	कार्बेट टाइगर रिजर्व के आवासीय भवन तथा परिसर की मरम्मत तथा सौन्दर्यीकरण
	योग	30001	15001	5500	

5	06-ईको टूरिज्म 24-वृहत निर्माण कार्य	15000	7500	3500	1. कार्बेट टाइगर रिजर्व के अन्तर्गत मोडाखाल, बतनवासा व कालीकों में सुरक्षा द्वार का निर्माण हेतु ₹ 20.00 लाख 2. कार्बेट टाइगर रिजर्व के समस्त वन विश्राम गृहों का सौन्दर्यीकरण एवं उच्चीकरण हेतु ₹ 15.00 लाख
	योग	15000	7500	3500	
	महायोग			14000	

(वित्तीय स्वीकृति ₹ एक करोड़ चालीस लाख मात्र)


(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव

आय-व्ययक प्रपत्र-15

पुनर्विनियोग विवरण पत्र 2010-11

अनुदान संख्या-27 राजस्व लेखा

आयोजनागत

नियंत्रक अधिकारी-अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड (धनराशि ₹ हजार में)

क्र. सं.	बजट प्राविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण	मानक मदवार अद्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस) धनराशि	लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि	टिप्पणी
	1	2	3	4	5	6	7	8
1-	4406-वानिकी तथा वन्य जीवन पर पूंजीगत परिव्यय 01-वानिकी 101-वन संरक्षण और विकास 04-वन विभाग के आवासीय/ अनावासीय भवनों का निर्माण				4406-वानिकी तथा वन्य जीवन पर पूंजीगत परिव्यय 01-वानिकी 101-वन संरक्षण और विकास 04-वन विभाग के आवासीय/ अनावासीय भवनों का निर्माण			कार्बेट टाइगर रिजर्व के 75 वर्ष पूर्ण होने पर प्लेटिनम जूबली मनाये जाने के लिए एवं शिवालिक वृत्त के अन्तर्गत महत्वपूर्ण कामों के निस्तारण हेतु आवश्यक है।
	24-वृहत निर्माण कार्य				29-अनुरक्षण			
	30000	15000	12000	2999	2999	3000	27001	
योग	30000	15000	12000	2999	2999	3000	27001	

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के प्रस्तर 150, 151, 155 एवं 156 में उल्लिखित प्रावधानों का उल्लंघन नहीं होता है।



(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव.

उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-4

संख्या-375-A/XXVII(4)/2010 दिनांक 07 फरवरी, 2011

पुनर्विनियोग स्वीकृत



(एम0सी0 जोशी)

अपर सचिव (वित्त)

उत्तराखण्ड शासन

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

संख्या- 618 (2)/X-2-2010-12(2)/2011 दिनांक 17 फरवरी, 2011

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार (लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, देहरादून.
2. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. सम्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
5. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.

आज्ञा से,



(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव